2

आकांक्षी पुष्प

प्रस्तुत पाठ के माध्यम से लेखक ने यह संदेश दिया है कि एक क्षण के लिए भी जीवन की महत्ता को प्राप्त करना जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि होती है।

एक सुंदर सुगंधित छोटा-सा नीला फूल था, जो नम्रता से अपने मित्रों के बीच रहता था और दूसरे फूलों के साथ एकांत बग़ीचे में प्रसन्न हो झूमता था।

एक दिन प्रातः जब कि ओस की बूँदों ने उसकी पंखुड़ियों को सँवारा था, उसने अपना सिर ऊपर उठाया और इधर-उधर झाँका। उसने देखा कि एक ऊँचा सुंदर गुलाब का फूल शान से खड़ा है और एक हरे रंग के हीरे पर जलती हुई मशाल के समान आकाश में स्थित है।

छोटे फूल ने अपने होठों को खोला और कहा, "इन सब फूलों में मैं कितना अभागा हूँ और इनके बीच मेरा कितना हीन अस्तित्व है। प्रकृति ने मुझे छोटा और गरीब बनाया है। मैं पृथ्वी के अत्यंत निकट रहता हूँ और अपना सिर ऊँचे आकाश की ओर नहीं उठा सकता, न अपने चेहरे को गुलाब की भाँति सूर्य की ओर ही फेर सकता हूँ।"

गुलाब के फूल ने अपने पड़ोसी की बात सुनी। इस पर वह हँसा और बोला, "तुम्हारी बातें कितनी विचित्र हैं। तुम भाग्यवान हो, फिर भी अपने सौभाग्य को नहीं समझ पाते। प्रकृति ने तुम्हें सुगंध और सुंदरता दोनों प्रदान की हैं, जो किसी और को नहीं दीं। छोड़ो अपने इन विचारों को और संतोषी बनो। याद रखो, जो छोटा बनकर रहता है, वह ऊपर उठता है। जो अपने को बड़ा समझकर रहता है, वह समाप्त हो जाता है।"

छोटे फूल ने कहा, तुम मुझे सांत्वना दे रहे हो, इसलिए कि तुम्हारे पास वह सब है, जिसके लिए मैं लालायित हूँ। तुम यह जताकर कि तुम बड़े हो, मुझे चिढ़ा रहे हो। आह! एक भाग्यवान की

नसीहतें एक अभागे के लिए कितनी कष्टदायक होती हैं और दुर्बल को परामर्श देते समय बलवान कितना कठोर बन जाता है।

प्रकृति ने नीले फूल और गुलाब के फूल की बातचीत सुनी। वह प्रकट हुई और बोली, "मेरे भाई, छोटे फूल, तुम्हें क्या हुआ? तुम तो अपने विचारों और कार्यों में सदा ही नम्र और मधुर रहे हो। क्या लोभ ने तुम्हारे हृदय में घर कर लिया है और तुम्हारी चेतना को सुन्न बना दिया है?"

अनुरोध के स्वर में नीले फूल ने उत्तर दिया, "हे प्रेमपूर्ण, करुणामयी दयालु माँ! मैं अपने तन-मन से प्रार्थना करता हूँ कि कृपा कर मेरा निवेदन स्वीकार करो और मुझे एक दिन के लिए गुलाब बनने की आज्ञा प्रदान करो।"

तब प्रकृति ने कहा, "तुम नहीं जानते कि तुम क्या माँग रहे हो? इस अंधी लालसा के पीछे जो गुप्त विपत्ति है, उससे तुम अनभिज्ञ हो। यदि तुम गुलाब बन जाओगे तो तुम्हें अफ़सोस होगा और पश्चात्ताप के अतिरिक्त कुछ नहीं पा सकोगे।"

पर नीले फूल ने ज़िद की, "मुझे भी एक ऊँचा गुलाब का फूल बना दो, क्योंकि मैं गर्व से अपना सिर ऊँचा उठाना चाहता हूँ। यह मेरे भाग्य का दोष नहीं, अपितु स्वयं मेरा कार्य होगा।"

प्रकृति ने यह कहते हुए आज्ञा दे दी, "ऐ अनजान और विद्रोही छोटे फूल। मैं तुम्हारी प्रार्थना स्वीकार करूँगी, परंतु यदि उससे तुम पर विपत्ति टूट पड़े तो फिर तुम मुझसे शिकायत मत करना।"

और प्रकृति ने अपनी रहस्यपूर्ण जादू की उँगलियों को निकालकर फैलाया और नीले फूल की जड़ों को छू दिया। तुरंत वह बड़े गुलाब के आकार में बदल गया और बगीचे के सभी पुष्पों से ऊपर उठ गया।

अचानक गहरे काले बादल आकाश में घिर आए और क्रुद्ध हवा ने आँधी के रूप में सारे वातावरण की शांति को छिन्न-भिन्न कर दिया। प्रचंड तूफ़ान और मूसलाधार वर्षा ने एक बारगी बगीचे पर धावा बोल दिया। तूफ़ान ने छोटे-छोटे धरती से सटे पौधों को छोड़कर सभी अन्य पौधों को जड़ से उखाड़ दिया। शाखाओं को तोड़ दिया और ऊँचे पुष्प के तनों को चीर दिया।

उस एकांत वाटिका को आकाश के इस युद्ध से बहुत ही हानि हुई और जब तूफ़ान शांत हुआ तथा आकाश निर्मल हो गया तो छोटे नीले फूलों के परिवार को छोड़कर, जो बगीचे की दीवार के सहारे छिपे थे, सभी फूल ध्वस्त पड़े थे। कोई भी प्रकृति के कोप से न बच पाया था।

सिर उठाकर पेड़-पौधों की यह दुर्दशा देख, नीले फूलों में से एक ने कहा, "देखो तो, तूफ़ान ने अभिमानी पुष्पों की क्या गति बनाई है?"

दूसरा नीला पुष्प बोला, "क्योंकि हम छोटे हैं और पृथ्वी के समीप रहते हैं, अतः हम दैवी क्रोध से सुरक्षित हैं।"

फिर तीसरा बोला, "क्योंकि हम कद में छोटे हैं, तूफ़ान हम पर अधिकार पाने में असमर्थ है।"

इसी समय नीले पुष्पों की रानी ने अपने बगल में परिवर्तित नीले फूल को देखा, जो पृथ्वी पर अस्त-व्यस्त लुढ़का दिया गया था और युद्धस्थल में एक अंग-विहीन योद्धा की भाँति भीगी घास पर छितरा दिया गया था। नीले फूलों की रानी ने अपना सिर उठाया और अपने परिवार से कहा, "देखो मेरे पुत्रो! यह बात विचारणीय है कि लोभ ने नीले फूल की क्या दुर्गति बनाई है, जो केवल एक घंटे के लिए ही अभिमानी फूल बन सका था। इस दृश्य को अपने सौभाग्य के लिए सदा स्मरण रखो।"

तब मृतप्राय गुलाब का फूल हिला और अपनी बची-खुची शक्ति को बटोरकर शांत भाव से बोला, "तुम सब आत्म-संतुष्ट और निरहंकारी मूर्ख हो। मुझे कभी तूफ़ान से भय नहीं लगा। कल तक मैं भी संतोषी था और अपने जीवन से संतुष्ट था, परंतु वह आत्म-संतोष ही मेरे अस्तित्व और जीवन की उन्नति के बीच दीवार बना हुआ था। वही मुझे दुर्बल, आलसी, शांत तथा मस्तिष्क को धैर्यवान बनाए हुए था। भय से पृथ्वी पर चिपटे रहकर मैं भी ऐसा ही जीवन व्यतीत कर सकता था, जैसा तुम अब बिता रहे हो।"

"मैं भी शीत की प्रतीक्षा कर सकता था कि वह मुझे बरफ़ के कफ़न से ढक दे और मृत्यु को सौंप दे, जैसा कि सभी छोटे पुष्पों के साथ होता है। किंतु अब मैं प्रसन्न हूँ, क्योंकि मैंने अपने हीन संसार के बाहर विश्व के रहस्यों को पहचान लिया है। यह एक ऐसा कार्य है, जो तुमने कभी नहीं किया। मैं लोभ की उपेक्षा कर सकता था, जिसकी प्रकृति मुझसे कहीं ऊँची है, परंतु जब मैंने रात्रि की नीरवता में ध्यान से सुना कि लौकिक और पारलौकिक तत्त्वों में बातचीत हो रही है तो सत्ता से ऊँचा स्थान प्राप्त करने की मेरे हृदय में लालसा उत्पन्न हुई। मैंने अनुभव किया कि तारों के गीत पाताल नहीं सुन सकता। तभी मैंने अपनी हीनता के विरुद्ध युद्ध आरंभ किया। उसी की याचना करने लगा, जो मेरा नहीं था। यहाँ तक कि मेरी विद्रोही भावना एक शक्ति के रूप में, मेरी लालसापूर्ण इच्छा में परिणत हो गई। प्रकृति ने; जो हमारे गंभीर स्वप्नों का प्रधान विषय है, जो इच्छाओं को पूर्ण करती है, मेरी प्रार्थना स्वीकार की और मुझे अपनी जादू की उँगलियों द्वारा एक गुलाब के रूप में परिवर्तित कर दिया।"

थोड़ी देर के लिए गुलाब खामोश हो गया और फिर अभिमान और सफलता-मिश्रित क्षीण स्वर में बोला, "मैं घंटे भर एक भव्य, शानदार गुलाब की तरह रहा हूँ। कुछ देर के लिए मेरी सत्ता एक सम्राट के समान रही है। मैंने विश्व को गुलाब की दृष्टि से देखा है। मैंने नभ-मंडल की कानाफूसी गुलाब के कानों से सुनी है और प्रकाश की तहों को गुलाब की पंखुड़ियों से छुआ है। क्या कोई है, जिसने ऐसा सम्मान प्राप्त किया है?"

इस प्रकार कहकर उसने अपना सिर झुका लिया और घुटती हुई आवाज़ में, हाँफते-हाँफते बोला, "मैं अब मर जाऊँगा, क्योंकि मेरी आत्मा ने अपने उद्देश्य की प्राप्ति कर ली है। अंत में मैंने अपने ज्ञान को अपनी जन्म-जन्म की संकीर्णता के बाहर विश्व में विस्तृत कर दिया है। यही जीवन का उद्देश्य है, यही जीवन के अस्तित्व का रहस्य है।"

तब गुलाब फड़फड़ाने लगा। उसने शनैः-शनैः अपनी पंखुड़ियों को समेटा और होठों पर एक स्वर्गिक मुस्कान के साथ अंतिम साँस ली–अपने जीवन की आशाओं और ध्येय की पूर्ति की मुस्कान, एक ईश्वरीय मुस्कान।

–संकलित

शिक्षा हमें विधि के विधान में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

शब्द-पोटली

एकांत – सुनसान। सँवारा – सजाया। हीन – तुच्छ। अस्तित्व – सत्ता। सांत्वना – तसल्ली। लालायित – उत्सुक। परामर्श – सलाह। चेतना – होश। सुन्न – संज्ञा-शून्य। लालसा – अभिलाषा। अनभिज्ञ – अपरिचित। ध्वस्त – नष्ट। नीरवता – सन्नाटा। भव्य – शानदार। संकीर्णता – छोटापन। ध्येय – लक्ष्य।

अभ्यास

संकलित मूल्यांकन

पाठ बोध

(क) सही विकल्प पर ✓ लगाइए:

1. छोटा-सा नीला फूल अपने मित्रों के बीच रहता था–
   नम्रता से ☐ शत्रुता से ☐ चालाकी से ☐ ओछेपन से ☐
2. नीले फूल की पंखुड़ियों को सँवारा–
   माली ने ☐ ओस की बूँदों ने ☐ हवा ने ☐ धूप ने ☐
3. अपने पड़ोसी की बात किसने सुनी?
   गेंदे के फूल ने ☐ माली ने ☐ गुलाब ने ☐ इन सभी ने ☐
4. यदि तुम गुलाब बन जाओगे तो तुम्हें–
   खुशी होगी ☐ धन मिलेगा ☐ सम्मान मिलेगा ☐ अफ़सोस होगा ☐
5. छोटे-छोटे पौधों को छोड़कर अन्य सभी पौधों को उखाड़कर फेंक दिया–
   तूफ़ान ने ☐ माली ने ☐ गुलाब ने ☐ नीले फूल ने ☐
6. लोभ ने किसकी दुर्गति कर दी थी?
   गुलाब की ☐ नीले फूल की ☐ माली की ☐ प्रकृति की ☐

(ख) दिए गए शब्दों से रिक्त स्थान भरिए:

जीवन, बलवान, प्रकृति, गुलाब, अभिमानी

1. ______________ ने मुझे छोटा और गरीब बनाया है।
2. दुर्बल को परामर्श देते समय ______________ कितना कठोर बन जाता है।
3. मुझे एक दिन के लिए ______________ बनने की आज्ञा प्रदान करो।
4. तूफ़ान ने ______________ पुष्पों की क्या गति बनाई है?
5. यही ______________ के अस्तित्व का रहस्य है।

(ग) सत्य कथन पर ✓ तथा असत्य कथन पर ✗ लगाइए:

1. एक वाटिका में छोटे-बड़े सभी प्रकार के पौधे थे। ☐
2. नीला फूल गुलाब का फूल बनना चाहता था। ☐
3. प्रकृति ने गुलाब के फूल को नीला फूल बना दिया। ☐
4. तूफ़ान ने किसी पौधे को नुकसान नहीं पहुँचाया। ☐
5. अंत में गुलाब ने स्वर्गिक मुस्कान के साथ अंतिम साँस ली। ☐

(घ) निम्नलिखित को सुमेल कीजिए:

(अ)	(ब)
1. एकांत	(a) शानदार
2. हीन	(b) सुनसान
3. अस्तित्व	(c) तुच्छ
4. परामर्श	(d) सत्ता
5. भव्य	(e) सलाह

(ङ) किसने, किससे कहा?

1. "इन सब फूलों में मैं कितना अभागा हूँ।" ______________ ने ______________ से
2. "तुम्हारी बातें कितनी विचित्र हैं।" ______________ ने ______________ से
3. "हे प्रेमपूर्ण, करुणामयी दयालु माँ!" ______________ ने ______________ से
4. "तुम नहीं जानते कि तुम क्या माँग रहे हो?" ______________ ने ______________ से
5. "अतः हम दैवी क्रोध से सुरक्षित हैं।" ______________ ने ______________ से

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. छोटा नीला फूल अपने को अभागा क्यों समझने लगा?
2. प्रकृति ने नीले फूल को क्या समझाया?
3. छोटा नीला फूल गुलाब क्यों बनना चाहता था?

4. नीले फूलों की रानी ने अपने परिवार से क्या स्मरण रखने को कहा?
5. छोटे नीले फूल के अनुसार जीवन का उद्देश्य क्या है?

भाषा बोध

(छ) सही विकल्प पर ✓ लगाइए:

1. 'सुगंधित' में प्रत्यय है–
   इत ☐ धित ☐ सु ☐ सुगंध ☐
2. 'फूल' का पर्यायवाची है–
   फुल ☐ कुल ☐ पुष्प ☐ फूला ☐
3. 'सुनी' शब्द है–
   कर्त्ता ☐ क्रिया ☐ कर्म ☐ विशेषण ☐
4. 'ऊँचा' शब्द का विलोमार्थी है–
   ऊँचाई ☐ उच्च ☐ उच्चता ☐ नीचा ☐
5. 'वाटिका' का तद्भव शब्द है–
   बगीचा ☐ वाट ☐ टिका ☐ टिवा ☐
6. 'अभिमानी' शब्द है–
   संज्ञा ☐ सर्वनाम ☐ क्रिया ☐ विशेषण ☐
7. 'नभ' का समानार्थी है–
   नाभि ☐ नाभा ☐ आकाश ☐ पाताल ☐

उपसर्ग–जो शब्दांश शब्द से पहले जुड़कर अन्य विशेष अर्थ प्रकट करते हैं, वे उपसर्ग कहलाते हैं; जैसे– अध + खिला = अधखिला।

प्रत्यय–जो शब्दांश शब्द के अंत में लगकर उसमें विशेष अर्थ प्रकट करते हैं या परिवर्तन लाते हैं, उसे प्रत्यय कहते हैं; जैसे– रच + ना = रचना।

(ज) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग तथा प्रत्यय लिखिए:

शब्द		उपसर्ग	प्रत्यय
1. नम्रता	–	____________	____________
2. अत्यंत	–	____________	____________
3. भाग्यवान	–	____________	____________
4. कष्टदायक	–	____________	____________
5. निर्मल	–	____________	____________
6. दुर्गति	–	____________	____________

रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक अभ्यास

- निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए तथा लिखिए:

अस्तित्व	विचित्र	प्रकृति	प्रचंड	मृतप्राय
______	______	______	______	______

क्रियात्मक कार्य

- आपने अपने घर या विद्यालय की वाटिका में रंग-बिरंगे और विभिन्न प्रकार के फूलों को देखा होगा। उन्हें देखकर आपके मन में कैसी-कैसी कल्पनाएँ आती हैं? उन कल्पनाओं को लिखकर अपने अध्यापक को दिखाइए।

____

____

____

____

____

____

परियोजना कार्य

- भिन्न-भिन्न प्रकार के फूलों का संग्रह करके एक गुलदस्ता बनाइए और अपने प्रधानाचार्य के कार्यालय में रखिए।

अनुच्छेद-लेखन

- दिए गए विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए–

"संतोष ही सबसे बड़ा धन है।"

____

____

____

____

____

____

उच्च बौद्धिक स्तरीय प्रश्न (HOTS)

- "अहंकार मनुष्य के विनाश की जड़ होता है।" क्यों?